पाठ्यक्रम

पीएच.डी. (हिंदी)_कोर्स वर्क

(2021-22 से प्रभावी)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

पाठ्यक्रम

पीएच.डी. (हिंदी)_कोर्स वर्क

हिंदी विभाग

मानविकी एवं समाज विज्ञान पीठ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़

(2021-22 से प्रभावी)

पाठ्यक्रम : **शोध प्रविधि**
पाठ्यक्रम का कोड : **SHSS HND 01 C 101**

क्रेडिट-6

(इस पाठ्यक्रम में शोध की विभिन्न प्रणालियों, विषय चयन, शोध की उपयोगिता, बौद्धिक संपदा के साथ-साथ साहित्य में अनुसंधान में आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया जाएगा)

इकाई	पाठ्यक्रम
1	शोध की अवधारणा एवं स्वरूप; शोध और आलोचना; शोध और समीक्षा; शोध के तत्व; शोध के प्रकार
2	शोध की पद्धतियाँ; एतिहासिक शोध; समाजशास्त्रीय शोध; अंतर्विद्यावर्ती शोध; पाठालोचनात्मक शोध; तुलनात्मक शोध; लोकसाहित्यिक शोध; भाषा-वैज्ञानिक शोध; शैली-वैज्ञानिक शोध
3	शोध परिकल्पना; विषय संकल्पना; रूप-रेखा निर्माण; विषय वर्गीकरण; शोध-सामग्री प्रलेखीकरण; उद्धरण और संदर्भ; ग्रंथ सूची के निर्माण की प्रविधि
4	संचार क्रांति एवं साहित्यिक शोध; मानव मूल्य और शोध; शोध की वस्तुनिष्ठता एवं शोधकर्ता की आत्मपरकता; बौद्धिक संपदा; हिंदी में शोध की समस्याएँ; प्रायोजित शोध; शोध में अनुदान एवं पुस्तकालय की भूमिका

अनुशंसित पुस्तकें :

- शोध प्रविधि; हरिश्चंद्र वर्मा; हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला; 2006.
- शोध का स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि; बैजनाथ सिंहल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2015.
- अनुसंधान प्रविधि; एस.एन. गणेशन; सिद्धांत और प्रक्रिया; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2021.
- हिंदी अनुसंधान; विजयपाल सिंह; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद; 2007.
- शोध प्रविधि; विनय मोहन शर्मा; मयूर बुक्स, दिल्ली; 2018.
- शोध प्रविधि; मैथिली प्रसाद भारद्वाज; आधार प्रकाशन, पंचकूला; 2005.
- शोध और सिद्धांत; डॉ. नगेंद्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1961.

पाठ्यक्रम : तुलनात्मक साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 01 E 102

क्रेडिट-6

(इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं विदेशी भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा, समस्याओं एवं उसके विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का अध्ययन अपेक्षित होगा.)

इकाई	पाठ्यक्रम
1	तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप; तुलनात्मक साहित्य के वैचारिक आधार; तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन का इतिहास एवं वर्तमान परिदृश्य; तुलनात्मक साहित्य के मूल्य एवं मंतव्य
2	तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की प्रविधि एवं परिप्रेक्ष्य; तुलनात्मक साहित्य के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ; तुलनात्मक साहित्य का भारतीय संदर्भ
3	भारतीय साहित्य की अवधारणा और अध्ययन की समस्याएँ; मध्यकालीन धर्म, दर्शन और कविता; भारतीय साहित्य में आधुनिकता का उदय; अनुवाद अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य
4	तुलनात्मक साहित्यं एवं पाठ : कालिदास और शेक्सपीयर; प्रेमचंद और गोर्की; निराला और रवींद्रनाथ टैगोर

अनुशंसित पुस्तकें :

- तुलनात्मक अध्ययन एवं स्वरूप; संपा. भ.ह. राजूरकर एवं राजकमल बोरा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 1978.
- तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ; राजकमल बोरा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय परिप्रेक्ष्य; इंद्रनाथ चौधरी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- तुलनात्मक साहित्य की भूमिका; इंद्रनाथ चौधरी; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1999.
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास; संपा. डॉ. नगेंद्र; हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; 2009.
- तुलनात्मक साहित्य; डॉ. नगेंद्र; नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली; 1985.
- आलोचना की धारणाएँ; वेलेक रेने; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला; 1990.

पाठ्यक्रम : साहित्य का इतिहास दर्शन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 01 E 103

क्रेडिट-6

(इस पाठ्यक्रम में साहित्य के इतिहास की अवधारणा, दर्शन एवं उसके औचित्य, विभिन्न दृष्टियों, इतिहास लेखन की मूल समस्याएँ और उसके पुनर्विचार संबंधी अध्ययन अपेक्षित होगा.)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं आवश्यकता साहित्य के इतिहास की विभिन्न दृष्टियाँ: विधेयवादी, मार्क्सवादी
2.	हिंदी साहित्य का इतिहास एवं काल विभाजन साहित्य के इतिहास लेखन की मूल समस्याएँ साहित्य के इतिहास लेखन पर पुनर्विचार की आवश्यकता
3.	आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं हिंदी साहित्य का इतिहास दूसरी परंपरा का इतिहास एवं आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.	डॉ. रामविलास शर्मा की इतिहास दृष्टि डॉ नगेन्द्र की इतिहास दृष्टि अन्य इतिहास दृष्टियाँ- नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास; रामचन्द्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी; 2008.
- हिंदी साहित्य की भूमिका; हजारी प्रसाद द्विवेदी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2017.
- हिंदी साहित्य का आदिकाल; हजारी प्रसाद द्विवेदी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2008.
- हिंदी साहित्य का इतिहास; डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल (स.); मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली; 2018.
- परंपरा का मूल्यांकन; रामविलास शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- लोक जागरण और हिंदी साहित्य; रामचन्द्र शुक्ल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- छायावाद; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2020.
- कविता के नए प्रतिमान; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 1968.
- उपन्यास और लोकतंत्र; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2013.
- हिंदी आलोचना; विश्वनाथ त्रिपाठी; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2019.
- हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली;
- इतिहास दर्शन; रामविलास शर्मा; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2007.
- इतिहास और आलोचना; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली;
- साहित्य और इतिहास दृष्टि; मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ; श्याम कश्यप (स.); हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली;
- इतिहास और विचारधारा; इरफ़ान हबीब; ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली; 2005.

पाठ्यक्रम : साहित्य और विचारधारा
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 01 E 104

क्रेडिट-6

(इस पाठ्यक्रम में साहित्य और विचारधारा के संबंधों का सैद्धांतिक विवेचन करने के साथ हिंदी कृति एवं कृतिकारों की सृजन-प्रक्रिया पर उसके प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा.)

इकाई	पाठ्यक्रम
1	विचारधारा की अवधारणा का विकास, विचारधारा : धर्म और दर्शन, विचारधारा और विज्ञान विचारधारा का स्वरूप, विचारधाराओं का सामाजिक आधार, विचारधारा के रूपों में साहित्य का स्थान, साहित्य की स्वायत्तता और विचारधारा, साहित्य की सैद्धांतिकी के निर्माण में विचारधारा की भूमिका, विचारधारा और साहित्य रूप, साहित्यिक कृति और विचारधारा का सम्बन्ध: द्वंद्व और सामंजस्य.
2	विचारधारा संबंधी प्रमुख चिन्तक : ग्यार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी, गाँधी, बी.आर.आंबेडकर, राम मनोहर लोहिया
3	प्रमुख विचारधाराएं : मार्क्सवाद, गाँधीवाद, आंबेडकरवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर-आधुनिकता
4	व्यवहार पक्ष : रामचरितमानस, मैला आंचल और कामायनी का विचारधारात्मक अध्ययन

सहायक पुस्तकें:

- आलोचना और विचारधारा; नामवर सिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- कला का जोखिम; निर्मल वर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली; 2001.
- इतिहास और विचारधारा; इरफ़ान हबीब; ग्रन्थ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली; 2005.
- कला और साहित्य; माओत्से तुंग; पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली; 1983.
- राजनीति सिद्धांत की रूपरेखा; ओमप्रकाश गाबा; मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली; 2013.
- इतिहास विचारधारा और साहित्य; राजेश्वर सक्सेना; कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली; 1983.
- समकालीन राजनीतिक सिद्धांत; जे.सी. जौहरी; स्टर्लिंग पब्लिशर्स, दिल्ली; 2007.
- गाँधी, आम्बेडकर, लोहिया और भारतीय इतिहास की समस्याएँ; राम विलास शर्मा; वाणी प्रकाशन; दिल्ली; 2008.
- The sublime object of ideology; Zizek Slavoj; VERSO, London; 1989.
- Ideology (Ed.); Terry Eagleton; Routledge, London; 1991.

पाठ्यक्रम : पाठालोचन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 01 E 105

क्रेडिट-6

(इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य में पाठालोचन की अवधारणा, वर्तमान स्थिति व उसकी आवश्यकता, पाठ-भेद और मूल-पाठ के निर्धारण संबंधी समस्याओं का अध्ययन अपेक्षित होगा.)

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी साहित्य में पाठालोचन की अवधारणा पाठालोचन की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यकता साहित्य में पाठालोचन का इतिहास, भविष्य एवं संभावनाएं
2.	पाठालोचन एवं उसकी विभिन्न पद्धतियों का परिचय पाठालोचन के क्षेत्र में लकमैन एवं हेनरी क्विंटन का योगदान पाठभेद एवं मूल-पाठ के निर्धारण की समस्याएँ
3.	शिलालेखों तथा उत्कीर्ण-लेखों का पाठालोचन हस्तलिखित पांडुलिपियों का पाठालोचन छापाखाने का आविष्कार, मुद्रित पुस्तकें एवं पाठालोचन भक्त-कवियों की कृतियों के पाठालोचन का प्रायोगिक अध्ययन
4.	ऑनलाइन कार्पस का परिचय एवं निर्माण पद्धतियाँ प्रमुख ऑनलाइन कार्पसों का संक्षिप्त विवरण ऑनलाइन कार्पस एवं उनका पाठालोचन में योगदान

संदर्भ पुस्तकें :

- साहित्य के समाज शास्त्र की भूमिका: मैनेजर पाण्डेय; हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला;
- साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2016.
- हिंदी साहित्य का इतिहास :रामचन्द्र शुक्ल; नागरी प्रचारिणी सभा; वाराणसी; 2008.
- हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड); विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2012.
- राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली में उपलब्ध शिलालेख एवं अन्य उत्कीर्ण लेख
- प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर में उपलब्ध पांडुलिपियाँ एवं अनुक्रमणिका
- प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, उदयपुर में उपलब्ध पांडुलिपियाँ एवं अनुक्रमणिका
- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी में उपलब्ध पांडुलिपियाँ एवं अनुक्रमणिका
- हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग में उपलब्ध पांडुलिपियाँ एवं अनुक्रमणिका
- इंटरनेट में उपलब्ध विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम : अस्मितामूलक चिंतन
पाठ्यक्रम कोड : SHSS HND 01 E 106

क्रेडिट-6

(इसमें विभिन्न अस्मिताओं के विकास, आन्दोलन, सिद्धांत और प्रमुख सिद्धांतकारों का अध्ययन किया जाएगा.)

इकाई	पाठ्यक्रम
1	अस्मिता की अवधारणा, अस्मितावादी चिंतन का इतिहास, अस्मितावादी आन्दोलन: वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य, अस्मितावाद का समसामयिक परिप्रेक्ष्य
2	स्त्रीवाद की अवधारणा, स्त्रीवादी आन्दोलन का इतिहास : भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ, स्त्रीवादी चिंतन के सिद्धांत और प्रमुख भारतीय व पाश्चात्य स्त्रीवादी चिंतक
3	दलित अस्मिता की अवधारणा, दलित आन्दोलन का इतिहास, दलित चिंतन के सिद्धांत और प्रमुख चिंतक
4	आदिवासी अस्मिता की अवधारणा, भारत के प्रमुख आदिवासी आन्दोलन और उनके नायक, आदिवासी चिंतन के सिद्धांत और प्रमुख चिंतक

सहायक पुस्तकें:

- दलित दृष्टि; ओम वेटगेल; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2011.
- आधुनिकता के आईने में दलित; (सं.) अभी कुमार दुबे; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2002.
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र; शरण कुमार लिम्बाले; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2014.
- बहुजन साहित्य की प्रस्तावना; प्रमोद रंजन एवं आयवन कोसका (सं.); फारवर्ड प्रेस, दिल्ली; 2016.
- आदिवासी समाज और साहित्य; रमणिका गुप्ता (सं.); वाणी प्रकाशन, दिल्ली;
- आदिवासी अस्मिता का संकट; रमणिका गुप्ता; सामयिक प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- आदिवासी साहित्य विमर्श; (सं. गंगा सहाय मीणा); अनामिका प्रकाशन, दिल्ली;
- शृंखला की कड़ियाँ; महादेवी वर्मा; लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ; 2008.
- स्त्री : उपेक्षिता; सिमोन द बोउवा; हिन्द पॉकेट बुक्स, दिल्ली; 1992.
- अपना कमरा; वर्जीनिया वुल्फ; वाणी प्रकाशन, दिल्ली; 2018.
- स्त्री मुक्ति के प्रश्न; देवेन्द्र इस्सर; संवाद प्रकाशन, मेरठ;

नोट : उक्त के अतिरिक्त शोध कार्यक्रम के कोर्स वर्क का अध्ययन करने वाले शोधार्थियों को यूजीसी द्वारा अनिवार्य एवं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा लागू प्रश्न-पत्र 'शोध एवं प्रकाशन मूल्य' (Research & Publication Ethics) का अध्ययन करना अपेक्षित/अनिवार्य होगा, जिसका पाठ्यक्रम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा.